



SHRI HEMANT CHAUHAN

Shri Hemant Chauhan is an eminent Bhajan and Folk singer.

2. Born on 02 April, 1955, Shri Chauhan spent his childhood in Kundani village, a small village of Jasdan taluka of Rajkot district and got his primary education there. He graduated in Economics from Rajkot itself. He worked as a clerk in various Departments of the Gujarat Government. But basically, he belonged to the life of Bhajans. He used to sit and sing bhajans wherever echoed the sounds of a bhajan. So, the government job could not stall him. Soon he left his job and immersed himself in a life of Bhajan singing. In 1971, he trained in classical music in Rajkot which served to mature his vocal cords. Next, he was selected as a 'B' grade music artist in 1976 at All India Radio, Rajkot. This proved a turning point to transform his entire life into a bhaja devotee.

3. Over time, Shri Chauhan journeyed from 'B' grade to 'Top' grade in Akashvani. Today hundreds of bhajans sung by him are stored in Akashvani Library. He has performed in various parts of the country including the State of Gujarat in countless music concerts. He is the only artist among the plethora of artists who sings bhajan only on 'Ektara'. He travelled through even the small villages of Saurashtra, researched and unearthed the hymns of famed or anonymous saint poets. Apart from ancient bhajans, he has also sung a lot of folk and Garba songs. He has been continuously associated with Sangeet, Nritya and Natya Akademi of Delhi since the last twenty-five years. He has performed in various programs at home and abroad, i.e., Japan, France, UK, Greece, USA Canada, New Zealand and others organized by this organization.

4. Due to the 8200 plus compositions, Shri Chauhan has sung so far, he has got a place in the 'World Book of UK'. He has also been bestowed upon the 'Gaurav Puraskar' by the Government of Gujarat. He has lent his voice to Gujarati films and won many awards as a male singer. He has also been honoured with the "Academic Ratna" award.



श्री हेमन्त चौहान

श्री हेमन्त चौहान एक प्रसिद्ध भजन और लोक गायक हैं।

2. 02 अप्रैल, 1955 में जन्मे, श्री चौहान ने अपना बचपन राजकोट जिले के जसदण तालुका के एक छोटे से गाँव कुंदनी में बिताया और वहीं अपनी प्राथमिक शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने राजकोट से ही अर्थशास्त्र में स्नातक किया। उन्होंने गुजरात सरकार के विभिन्न विभागों में लिपिक के रूप में काम किया। लेकिन मूल रूप से, वे भजन गायक रहे। कहीं भी भजन की ध्वनि सुनते ही वे वहीं बैठकर भजन गाने लग जाते थे। इसलिए, सरकारी नौकरी उन्हें रोक नहीं पायी। जल्द ही उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ दी और भजन गायकी के प्रति समर्पित हो गए। 1971 में, उन्होंने राजकोट में शास्त्रीय संगीत का प्रशिक्षण लिया, जिसने स्वर साधने में उनकी सहायता की। इसके बाद, उन्हें 1976 में ऑल इंडिया रेडियो, राजकोट में 'बी' ग्रेड संगीत कलाकार के रूप में चुना गया। यह भजन गायक के रूप में उनके पूरे जीवन को बदलने में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ।

3. कालांतर में श्री चौहान आकाशवाणी में 'बी' ग्रेड से 'टॉप ग्रेड' संगीतकार बन गए। आज उनके द्वारा गाए गए सैकड़ों भजन आकाशवाणी पुस्तकालय में संग्रहीत हैं। उन्होंने गुजरात राज्य सहित देश के विभिन्न हिस्सों में अनगिनत संगीत समारोहों में प्रस्तुतियाँ दी हैं। इतने कलाकारों में वे अकेले ऐसे कलाकार हैं जो केवल 'एकतारा' पर भजन गाते हैं। उन्होंने सौराष्ट्र के छोटे-छोटे गाँवों की भी यात्रा की, और प्रसिद्ध या गुमनाम संत कवियों के भजनों पर शोध किया एवं उनका पता लगाया। उन्होंने प्राचीन भजनों के अलावा बहुत से लोक और गरबा गीत भी गाए हैं। वे पिछले पच्चीस वर्षों से लगातार दिल्ली के संगीत, नृत्य और नाट्य अकादमी से जुड़े हुए हैं। उन्होंने देश और विदेश अर्थात् जापान, फ्रांस, यूके, ग्रीस, यूएसए कनाडा, न्यूजीलैंड और अन्य देशों में इस संगठन द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में प्रस्तुतियाँ दी हैं।

4. श्री चौहान ने अब तक 8200 से अधिक रचनाएं की हैं, जिसके कारण उन्हें 'वर्ल्ड बुक ऑफ यूके' में शामिल किया गया है। गुजरात सरकार ने उन्हें 'गौरव पुरस्कार' से भी सम्मानित किया है। उन्होंने गुजराती फिल्मों में गीत गाए हैं और एक पुरुष गायक के रूप में कई पुरस्कार जीते हैं। उन्हें "अकादमिक रत्न" पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है।